महाराष्ट्र बजट : संतुलित विकास की कोशिश : अक्षत खेतान

मुंबई। महाराष्ट्र के बजट 2026 को लेकर आर्थिक विश्लेषक अक्षत खेतान का मानना है कि यह बजट सामाजिक कल्याण और आर्थिक विकास के बीच संतुलन बनाने का प्रयास करता है। उनके अनुसार सरकार ने इस बार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने और बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान दिया है। खेतान के मुताबिक, राज्य के दीर्घकालिक आर्थिक विकास के लिए इन क्षेत्रों में निवेश बेहद महत्वपूर्ण है। किसानों के लिए घोषित दो लाख रुपये तक की ऋण माफी को अक्षत खेतान ग्रामीण अर्थव्यवस्था को राहत देने वाला कदम मानते हैं। वे कहते हैं, जब किसानों पर कर्ज का दबाव कम होता है, तो उसका असर केवल खेती तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे ग्रामीण बाजार में मांग बढ़ने लगती है। उनके अनुसार इससे कृषि क्षेत्र में भरोसा और आर्थिक गतिविधियों में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकता है। महिलाओं के लिए जारी माझी लाडकी बहिन योजना को लेकर भी खेतान सकारात्मक रुख रखते हैं। उनके शब्दों में, ह्लमहिलाओं को सीधे आर्थिक सहायता देने वाली योजनाएँ केवल सामाजिक सुरक्षा प्रदान नहीं करतीं, बल्कि परिवारों की आर्थिक मजबूती में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उनका मानना है कि इस तरह की योजनाएँ खासकर ग्रामीण और निम्न आय वर्ग के परिवारों के लिए एक महत्वपूर्ण सहारा बन सकती हैं।

बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर और औद्योगिक विकास पर दिया गया जोर भी अक्षत खेतान के अनुसार राज्य की दीर्घकालिक आर्थिक रणनीति का अहम हिस्सा है। वे कहते हैं, ह्लयदि बुनियादी ढांचे और निवेश से जुड़े प्रोजेक्ट्स प्रभावी ढंग से लागू किए जाते हैं, तो महाराष्ट्र आने वाले वर्षों में देश की अग्रणी आर्थिक शक्तियों में अपनी स्थिति और मजबूत कर सकता है। कुल मिलाकर अक्षत खेतान के अनुसार महाराष्ट्र बजट 2026 तत्काल राहत देने के साथ-साथ राज्य की अर्थव्यवस्था को भविष्य में अधिक स्थिर और मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।